



Chanakya



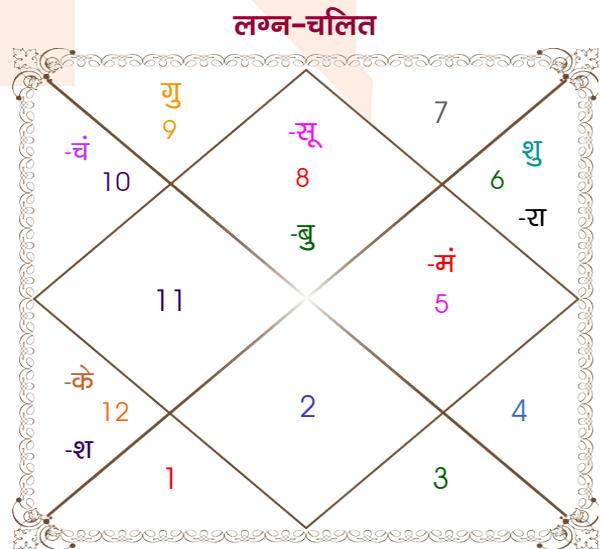
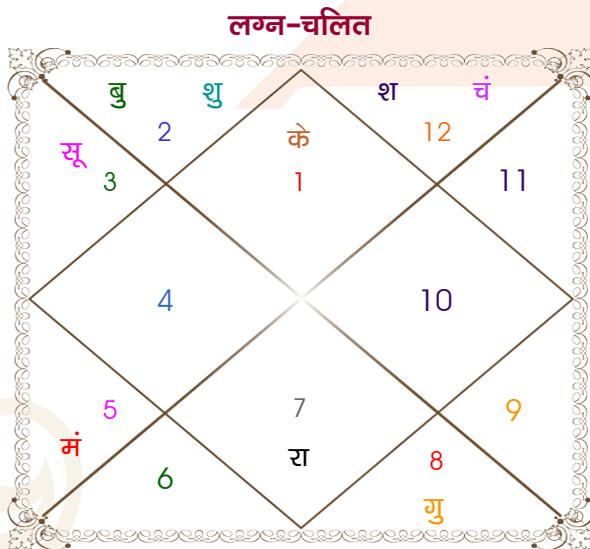
Gitika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121210703

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 21-22/06/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 17/11/1996
 बुध-गुरुवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 02:20:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:00:00 घंटे
 घटी 52:20:27 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 05:35:44 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 28:39:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 77:13:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:23:49 : _____ सूर्योदय _____ : 06:45:42
 19:21:55 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:26:31
 23:47:47 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:49

विंशोत्तरी बुध 1वर्ष 7मा 9दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 2वर्ष 11मा 14दि गुरु
31/01/2024	19/05/2024	16:13:08	मेष	लग्न	वृश्चि	29:23:47	01/11/2024
30/01/2030	18/11/2024	06:12:50	मिथु	सूर्य	वृश्चि	01:15:10	01/11/2040
	26/03/2025	28:44:13	मीन	चंद्र	मक	19:23:25	
	17/02/2026	19:37:52	सिंह	मंगल	सिंह	15:45:52	
	07/12/2026	16:49:13	वृष	बुध	वृश्चि	09:59:07	गुरु 20/12/2026
	19/11/2027	14:14:22	वृश्चि व	गुरु	धनु	21:47:32	शनि 03/07/2029
	24/09/2028	19:49:44	वृष	शुक्र	कन्या	28:53:58	बुध 09/10/2031
	30/01/2029	00:46:50	मीन	शनि व	मीन	07:02:00	केतु 14/09/2032
	30/01/2030	10:22:03	तुला	राहु व	कन्या	13:01:45	शुक्र 16/05/2035
		10:22:03	मेष	केतु व	मीन	13:01:45	सूर्य 03/03/2036
		05:49:27	मक व	हर्ष	मक	07:26:20	चन्द्र 03/07/2037
		01:01:27	मक व	नेप	मक	01:38:13	मंगल 09/06/2038
		04:35:59	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	08:52:15	राहु 01/11/2040



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि बीदालं का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ळपजपां का नक्षत्र श्रवण है।

बीदालं का वर्ग सिंह है तथा ळपजपां का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार बीदालं और ळपजपां का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

बीदालं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ळपजपां मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

बीदालं तथा ळपजपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।